योजना उपमंत्री (श्री एस० एन० मिश्र): राज्य की योजना के लिये राज्य सरकार को किसी वर्ष में मिलने वाली केन्द्रीय सहायता की राशि इस बात पर निर्भर करती है कि उस राज्य को कुल कितनी राशि स्वीकृत की गई और उसमें कुल कितना व्यय किया। १९५६-५७ में कुल १० करोड़ की योजना के लिए राज्य सरकार को ३ करोड़ ४७ लाख रुपये की सहयाता मिली। १९५७-५८ में कुल १७ करोड़ की योजना के लिए ६ करोड़ २० लाख रुपये की सहायता निर्धारित की गई थी। इस राशि में वह सहायता शामिल नहीं है जो केन्द्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लिए दी गई है क्योंकि वे योजनाएं राज्य की योजना से बाहर हैं।

ttTHB DEPUTY MINISTER OF PLANNING (SHRI S. N. MISHRA): The amount of Central assistance drawn in any year by a State Government for the State Plan depends on the total amount sanctioned and the total expenditure incurred. During 1956-57 for financing a plan involving a total outlay of Rs. 10 crores, the State Government drew assistance amounting to Rs. 3*47 crores. In 1957-58, for a plan involving outlay of about Rs. 17 crores, assistance amounting to Rs. 6`2 crores was allotted. Thia is in addition to assistance for Centrally sponsored schemes which are outside the State Plan.]

श्री नवाब सिंह चौहान : जैसाकि जाहिर है कि योजनाओं पर जितना खर्च होता है उसका थोड़ा सा भाग केन्द्रीय सरकार मदद के तौर पर देती है, तो जो योजनाएं आती हैं राज्य सरकारों की उसका कितना प्रतिशत केन्द्रीय सरकार देती है ?

श्री एस० एन० मिश्र : इसका हिसाब इस तरह नहीं किया जाता है। इस राशि का कितना प्रतिशत केन्द्रीय सरकार देगी, इसके कई सिद्धान्त हैं और कुछ की ओर इस जवाब में संकेत कर दिया गया है। दो तीन बातें हैं। एक बात तो यह है कि प्रत्येक राज्य सरकार कितने साधन जुटा सकती है दूसरी बात वह है कि राज्य सरकारों की कितनी खर्च करने की ताकत है। इन्हीं कुछ बातों पर रकम निर्भर करती है।

†[ ] English translation.

श्री नवाब सिंह चौहान : जो थोड़ी मदद मिली वह क्या इस वजह से मिली कि वे अपने निजी साधन नहीं जुटा सकते और ज्यादा खर्च करने को तैयार नहीं हैं ?

श्री एस० एन० मिश्र : मान्यता इसी आधार पर होनी चाहिये।

श्री राम सहाय : क्या मंत्री महोदय कृपा करके बतलायेंगे कि जो कार्य केन्द्रीय सरकार के खर्च से चल रहे हैं उन पर केन्द्रीय सरकार सालाना कितना खर्च कर रही है ?

श्री एस० एन० मिश्र : इस रकम का हिसाब अभी हमारे पास नहीं आया है। हमने इसकी जांच-पड़ताल की है, यानी पूछताछ शुरू कर दी है। जब हमें इस बात की जानकारी मिल जायेगी तब हम इसका जवाब दे सकेंगे।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्तियों का प्रवाहागमन

*१८६. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक. कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अप्रैल, १९५७ से अब तक पूर्वी पाकिस्तान से भारत आये हुए लोगों में से शिविरों के अन्दर तथा बाहर रहने वालों की संख्या क्या है ;

(ख) इनको किन किन राज्यों में तथा कितनी कितनी संख्या में बसाने की व्यवस्था की जा रही है ; और

(ग) इनके पुनर्वास के लिये किन किन राज्यों में और कहां कहां भूमि अर्जित की जा रही है; प्रत्येक स्थान में कितनी कितनी भूमि अर्जित की जानी है और इस काम के लिये क्या कार्यक्रम है ?

INFLUX OF DISPLACED PERSONS FROM EAST PAKISTAN

•189. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of persons who have so far come to India from East Pakistan since April, 1957 and are residing in and outside the camps;

(b) the names of States where arrangements are being made to settle them and the number of persons to be settled in each State; and

(c) the names of the States and the places in each of them where lands are being acquired for' their rehabilitation, the areas of land to be acquired at each place and the programme for this work?]

पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना): (क) अप्रैल १९५७ से जनवरी १९५८ तक के अर्से में ५,५४० शरणार्थी पूर्वी पाकिस्तान से आए। इन लोगों में से उन शरणार्थियों के अलग आंकड़े जो कि कैम्पों, आश्रित-गृहों और निकेतनों में दाखिल हुए, नहीं रखे गये हैं।

(ख) और (ग) इन शरणार्थियों को दूसरे शरणार्थियों की तरह जो कि कैम्पों के अन्दर या बाहर रह रहे हैं, पुनर्वास सहायता दी जायेगी। इन के लिये कोई अलग योजनाएं नहीं बनाई गयी हैं।

t[THE MINISTER OF REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) 5,540 displaced persons migrated from East Pakistan during the period from April, 1957 to January, 1958. Separate figures about the number of displaced persons admitted in Camps, Homes/Infirmaries from out of the above migrants are not available.

[ ]English translation.

(b) and (c). These displaced persons will be given rehabilitation assistance along with others who are in camps and outside, and no separate schemes have been formulated for them.]

श्री नवाब सिंह चौहान : सैपरेट स्कीमें नहीं हैं। जो दूसरे शरणार्थी हैं उनको बसाने की स्कीमें हैं, तो क्या इन सब के बारे में प्रत्येक राज्य सरकार ने यह तय कर लिया है कि प्रत्येक राज्य में कितने शरणार्थी बसाने के लिए भेजे जायेंगे ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : जो मशरकी पाकिस्तान से शरणार्थी आये हैं उनकी तादाद ४२ लाख के करीब है। बहुतों को हम बसा चुके हैं और बहुत से अभी बाकी हैं। उनको बसाने के लिए प्रबन्ध हो रहा है। यह कहना कि जो पिछले चन्द महीनों में आये उनको पहले बसाया जाय और जो उनसे भी पहले आये हैं उनको बाद में बसाया जाय जरा मुश्किल है।

दूसरे सवाल का जहां तक ताल्लुक है हम बंगाल, आसाम और त्रिपुरा के अन्दर और जो बाहर की रियासतें हैं उनमें भी बसाने की कोशिश कर रहे हैं और योजनाएं तैयार हैं।

श्री नवाब सिंह चौहान : मेरा प्रश्न यह है कि जो अभी आये हैं और जो पहले से आये हैं, उनको मिलाकर बसाने के लिए प्रत्येक राज्य सरकारों के लिए कोई कोटा निर्धारित कर दिया गया है?

श्री मेहर चन्द खन्ना : यह सवाल शायद आनरेबिल मेम्बर का उस कान्फ्रेंस से ताल्लुक रखता है जो पिछले महीने होम मिनिस्टर की चैयरमैन शिप में कलकत्ते में हुई थी। उसमें कुछ कोटा मुख्तलिफ स्टेटों में इन भाइयों को बसाने के लिए मुकर्रर किया गया था।

SHRI MAHESWAR NAIK: May I know what is, at the present moment,

the tendency of influx of displaced persons, whether there is any improvement in the influx position?

SHRI MEHR CHAND KHANNA: I have indicated in my reply that the average comes to round about 500 persons a month.

STOCK OF CLOTH WITH THE TEXTILE MILLS

•190. SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Will the Minister of COM. MERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of bales in stock with the textile mills on the 31st January, 1958 of (i) super-fine (Li) fine (iii) medium and (iv) coarse; cloth; and

(b) the number of bales of the game varieties that were in stock with *he mills in January, 1957?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI N. KANUNGO): (a) Total unsold stocks with the mills as on 31st January, 1958:

{In lakh bales)

Coarse	..	0-89
Medium	..	2-43
Fine	..	0.23
Super-fine	..	0' 18
	TOTAL	3 73

(b) Total unsold stocks with the mills as on 31st January, 1957:

(In lakh bales)

Coarse		038
Medium	..	1-89
Fine	..	025
Super-fine		0 23
	TOTAL	2- 75

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: May I know if it is a fact that production of coara« cloth in 1957-68 has increased by 2 lakh bales compared to 1956-57 and 3J lakh bales compared to 1955-56? If so, what are the reasons for this?

SHRI N. KANUNGO: I cannot vouch for the exact figures but the production of coarse cloth has increased very much in the period 1957. The reason is that because of lower excise duty and also rebate mills went in for production of coarse cloth.

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: May I know if this increase in production of coarse cloth is meant to come in the way of *khadi* and handloom cloth?

SHRI N. KANUNGO: Not necessarily, because khadi and handloom cloth have got a special clientele of their own.

श्री राम सहाय : क्या मिनिस्टर महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि ३१ जनवरी १९५७ के मुकाबिले में यह स्टाक कम है या ज्यादा है ?

श्री एन० कानूनगो : थोड़ा सा ज्यादा है। लेकिन बहुत कम हो गया है—दिसम्बर, १९५६ और दिसम्बर, १९५७ में दस मिलियन यार्ड का डिफरेंस है।

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: May I know, Sir, what part of this coarse cloth production was exported in 1957?

SHRI N. KANUNGO: I haven't **got** the export figures here.

SHRI AMOLAKH CHAND: May I know, Sir, if the hon. Minister has got any State-wise break-up, and if so, what is the position of stocks in Uttar Pradesh?

SHRI N. KANUNGO: We da **not** get State-wise figures, M such.